डॉ. ईश्वर एन. आचार्य ने 'केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्' के निदेशक के रूप में 8 जुलाई 2015 को पदभार ग्रहण किया है। वर्तमान में डॉ. आचार्य को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सलाहकार (योग) का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। डॉ. आचार्य ने 'प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग' में अपनी बी.एन.वाई.एस. की उपाधि कर्नाटक के उजिरे स्थित एस.डी.एम. कॉलेज से प्राप्त की है। वे दर्शन शास्त्र में स्नातकोत्तर के साथ-साथ योग में एम.फिल. भी हैं। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में सरकारी सेवा में आने से पूर्व डॉ. आचार्य ने देश के सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित अस्पताल 'प्रकृति आश्रम' भीमावरम में मेडिकल अधिकारी के रूप में कार्य किया। वर्ष 1996 में उन्होंने 'केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्' में अनुसंधान सहायक (योग) के रूप में कार्य प्रारम्भ किया। तत्पश्चात् जून 2005 में डॉ. आचार्य ने मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान में कार्यक्रम अधिकारी (योग चिकित्सा) का पदभार ग्रहण किया। डॉ. आचार्य को आयुष मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाली स्वायत्त संस्थाओं 'केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद्' और 'मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान' में कार्य करने का लंबा अनुभव है। यहाँ रहते हुए डॉ. आचार्य ने अपने कठोर परिश्रम एवं अनुसंधान से योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय कार्य किए। डॉ. आचार्य अब तक अनेक अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुत कर चुके हैं। डॉ. आचार्य देश भर में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विषय पर चलने वाले कई विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों से जुड़े हैं और विषय-विशेषज्ञ होने के नाते योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनेक संस्थानों में एक सलाहकार, निरीक्षक, परीक्षक के तौर पर अहम् भूमिका निभा रहे हैं।